



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 239]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 21, 1976/वैशाख 31, 1898

No. 239]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 21, 1976/VAISAKHA 31, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Agriculture)

### ORDER

New Delhi, the 21st May 1976

S.O. 360(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary so to do for maintaining and increasing supplies of milk and for securing its equitable distributions in the areas comprising the Union Territory of Delhi.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. **Short title, extent and commencement.**—(1) This Order may be called the Delhi (Milk and Milk Products) Control Order, 1976.

(2) It extends to the areas comprising the Union Territory of Delhi.

(3) It shall come into force on the 21st May, 1976 and shall cease to operate on the 16th July, 1976 except as respects things done or omitted to be done before such cesser of operation.

2. **Definitions.**—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) “controlling officer” means any officer appointed as such by the Delhi Administration in respect of the Union Territory of Delhi to exercise the powers and perform the duties of a controlling officer under this Order;

- (b) "export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the areas to which this Order extends to any place outside these areas;
- (c) "milk" means the normal, clean and fresh secretion obtained by milking of the udder of a cow, buffalo, goat or sheep and includes milk with or without fat butter milk, standardised milk, toned milk, double toned milk or milk prepared from milk powder, but does not include the article commonly known as dried milk or milk powder or condensed milk.

**3. Prohibition of manufacture, sale, service, supply, export of milk and milk products.—**  
No person shall—

- (a) use milk of any kind for the manufacture of cream, casein (excepting casein manufactured from sour milk for industrial purposes) skimmed milk, khoa, rubree, or any kind of sweet in the preparation of which milk or any of its products except paneer and ghee is an ingredient; or
- (b) export milk of any kind except sour butter milk; or
- (c) sell, serve, supply or cause to be sold, served, supplied cream, casein (excepting casein manufactured from sour milk for industrial purposes) skimmed milk, khoa, rubree or any kind of sweet in the preparation of which milk or any of its products (including dried milk or milk powder or condensed milk) except ghee and paneer is an ingredient; or
- (d) export or cause to be exported cream, casein (excepting casein manufactured from sour milk for industrial purposes) skimmed milk, khoa, rubree, paneer, or any kind of sweet in the preparation of which milk or any of its products (including dried milk or milk powder or condensed milk) except ghee is an ingredient:

Provided that nothing in this clause shall apply—

- (i) to the use of milk for the manufacture of and to the sale, service, supply or export of ice cream, kulfi or kulfa, in the preparation of which no khoa, rubree or cream is used;
- (ii) to the export of milk of any kind by a person engaged in the manufacture of infant milk food:
  - (a) whose undertaking has been registered or licensed under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and
  - (b) who has been exporting milk of any kind for the purpose of the manufacture of infant milk food immediately preceding the commencement of this Order, if he has obtained a permit to that effect from the controlling officers.
- (iii) to the use, by such undertaking as the Central Government may specify in this behalf, of milk for the manufacture of cream as intermediary stage in the manufacture of butter, ghee, milk powder and other milk products, if the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do in the interest of the Defence Forces, so directs.

**4. Power of entry, search, seizure, etc.—**(1) Any Magistrate or any police officer not below the rank of a head constable may with a view to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order is being complied with —

- (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for the manufacture of milk products;
- (b) enter and search any place or premises where he has reason to believe that milk is stocked or that they are being used for the manufacture, sale, service or supply of milk products;
- (c) seize any milk or milk products in any place or premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk products are found or with which such milk products are manufactured, or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk products and thereafter take all measures necessary for securing the production of the packages, coverings, receptacles, or machinery so seized in a court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this clause.

[No. 6-4/76-L.D.I.]

P. S. KOHLI, Jt. Secy.

## कृषि और सिंचाई मंत्रालय

### (कृषि विभाग)

#### आदेश

नई दिल्ली, 21 मई, 1976

का० आ० 360 (अ).—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि दूध के प्रदायों को बनाए रखने और बढ़ाने और दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में उसका साम्यापूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है।

अतः अब आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(1) यह आदेश दिल्ली (दूध और दुग्ध उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1976 कहा जा सकेगा।

(2) इसका विस्तार दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र पर है।

(3) यह 21 मई, 1976 को प्रवृत्त होगा और उन बातों के सिवाय जो ऐसे प्रवर्तन की समाप्ति से पूर्व की गई या की जाने से रह गई हैं, 16 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त नहीं रहेगा।

2. परिभाषा.—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) 'नियंत्रक अधिकारी' से वह अधिकारी अभिप्रेत है, जिससे दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के सम्बन्ध में दिल्ली प्रशासन ने इस आदेश के अधीन नियंत्रण अधिकारी को शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का पालन करने के लिए इस हैसियत में नियुक्त किया है ;

(ख) 'निर्यात' से ऐसे क्षेत्रों के बाहर, जिन पर इस आदेश का विस्तार है, भीतर के किसी क्षेत्र से उन क्षेत्रों के बाहर के किसी क्षेत्र को, किसी भी साधन से, ले जाना या लिया जाना अभिप्रेत है ;

(ग) 'दूध' से अभिप्रेत है गाय, भैंस, बकरी या भेड़ के दूधों से प्राप्त प्रसामान्य; स्वच्छ और ताजा स्त्राव और इसके अन्तर्गत बसा सहित या रहित दूध, मट्ठा, मानकित दूध, टोंड दूध, डबल टोंड दूध या दुग्ध शूर्ण से बना दूध आता है किन्तु इसके अन्तर्गत वह वस्तु नहीं है जिसे सामान्यतया सुखाया हुआ दूध या दुग्ध शूर्ण या संघनित दूध कहते हैं।

### 3. दूध और दूध उत्पादों के विनिर्माण, विक्रय, परोसने, प्रदाय या निर्यात का प्रतिबंध :—

- (क) क्रीम, कैसीन (दूध सत्व) (उस कैसीन को छोड़कर जो खट्टे दूध से औद्योगिक प्रयोजनों के लिए तैयार किया हो), क्रीम निकले दूध, खोया, रबड़ी या किसी भी प्रकार की ऐसी मिठाइयों का जिन्हें तैयार करने में दूध या उसके किसी उत्पाद का पनीर और घी के सिवाय, संघटकों के रूप में प्रयोग किया जाता है, विनिर्माण करने के लिए किसी भी प्रकार का दूध का प्रयोग नहीं करेगा; अथवा
- (ख) सिवाय खटास युक्त छाछ के किसी भी प्रकार के दूध का निर्यात नहीं करेगा; अथवा
- (ग) क्रीम, कैसीन (उस कैसीन को छोड़कर जो खट्टे दूध से औद्योगिक प्रयोजनों के लिए तैयार किया हो) क्रीम निकला दूध, खोया, रबड़ी या अन्य किसी प्रकार की मिठाई, जिसे तैयार करने में घी और पनीर के सिवाय दूध या उसके किसी उत्पाद (सुखाया दूध या दुग्ध चूर्ण या संघनित दुग्ध) का प्रयोग संघटकों के रूप में किया जाता है, न तो बेचेगा, न परोसेगा, न प्रदाय करेगा और न ही ऐसा विक्रय, परोस, प्रदाय करवाएगा;
- (घ) क्रीम, कैसीन (उस कैसीन को छोड़कर जो खट्टे दूध से औद्योगिक प्रयोजनों के लिए तैयार किया हो), क्रीम निकला दूध, खोया, रबड़ी, पनीर या अन्य किसी प्रकार की मिठाई, जिसकी तैयारी में घी के सिवाय दूध या उसके किसी उत्पाद (सुखाया दूध या दुग्ध चूर्ण या संघनित दूध) का प्रयोग संघटकों के रूप में किया जाता है निर्यात नहीं करेगा या करवाएगा। परन्तु इस खंड की 'कोई भी बात' :—
- (1) ऐसी आइस्क्रीम, कुल्की के जिसके तैयार करने में खोया, रबड़ी या क्रीम का प्रयोग नहीं होता, विनिर्माण के लिए दूध के प्रयोग और उनके विक्रय, परोसने या निर्यात को लागू नहीं होगी,
- (2) शिशु दुग्ध आहार के विनिर्माण में लगे हुए किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) जिसका उपक्रम, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन रजिस्ट्रीकृत या अनुशासित किया गया है, तथा
- (ख) जो शिशु दुग्ध आहार के विनिर्माण के प्रयोजनों के लिए, इस आदेश के प्रारम्भ से ठीक पूर्व किसी भी प्रकार के दूध का निर्यात करता रहा है, किसी भी प्रकार के दूध के निर्यात को लागू नहीं होगा यदि उस व्यक्ति ने नियंत्रक अधिकारी के उस आशय की अनुज्ञप्ति प्राप्त कर ली है।
- (3) मक्खन, घी, दुग्ध चूर्ण तथा अन्य दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण में मध्य-वर्ती स्तर पर प्रयोग होने वाली क्रीम के विनिर्माण में दूध के प्रयोग

के लिए ऐसे उपक्रम द्वारा जो कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में निर्दिष्ट किया जायेगा, लागू नहीं होगी बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार का, यह विचार हो कि ऐसा करना रक्षा सेनाओं के हित में आवश्यक है, ऐसा निदेश देती है ।

**4. प्रवेश, तलाशी, अभिग्रहण आदि की शक्तियाँ :—**

- (1) कोई मजिस्ट्रेट अथवा पुलिस अधिकारी, जो हैड कांस्टेबल के नीचे के दर्जे का न हो इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने की दृष्टि से कि आदेश का अनुपालन किया जा रहा है,
  - (क) किसी भी व्यक्ति को या किसी नाव, मोटर या अन्य गाड़ी या किसी पात्र या मशीनरी को, जो दूध के निर्यात के लिए या दुग्ध उत्पादनों के विनिर्माण के लिए प्रयोग में लाई गयी हो या जिसका प्रयोग में लाना आशङ्कित हो, रोक सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा ;
  - (ख) जहां कि उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि दूध का स्टॉक किया है या वे चीजें दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण, विक्रय, परोसा या प्रदाय करने के लिए प्रयोग में लाई जा रही है वहां किसी भी स्थान पर परिसर में प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा ;
  - (ग) किसी भी स्थान या परिसर में कोई दूध या दुग्ध पदार्थ, और पैकेज, आवरण, पात्र या मशीनरी, जिनसे दूध या दुग्ध पदार्थ पाए जाते हैं या जिनके साथ ऐसे दुग्ध पदार्थ पाए जाएं या जिनमें ऐसे दुग्ध पदार्थ विनिर्मित किए जाते हैं, या दूध या दुग्ध पदार्थ ले जाने के उपयोग में लाए जाने वाले पशुओं, गाड़ियों, जलयानों या नावों या अन्य सवारियों को अभिगृहीत कर सकेगा और इस प्रकार अभिगृहीत पैकेजों, आवरणों, पात्रों या मशीनरी को किसी न्यायालय में पेश करना और जब तक वे पेश किये जायें तब तक उनकी सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एतद्द्वारा तत्पश्चात् सभी आवश्यक उपाय करेगा ।
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की तलाशी और अभिग्रहण संबंधी धारा 100 के उपबन्ध इस खण्ड के अधीन तलाशी और अभिग्रहणों को यावत्शक्य लागू होंगे ।

[संख्या 6-4/76-एल० डी०-1]

पी० एस० कोहली, संयुक्त सचिव

